

ख़बर संक्षेप

सिहोरा में अन्य बैंक शाखाएं खोलने की उठ रही मांग

हरिभूमि, न्यूज/ सिहोरा/बोहानी। इस समय सिहोरा क्षेत्र के लगातार हो रहे विकास के साथ साथ केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक प्रकार की योजनाओं का लाभ भी लोगों को बैंकों के माध्यम से ही दिया जा रहा है, इतना ही नहीं इस क्षेत्र में के लोग जहां मूलरूप से कृषि से जुड़े हुए है, वहीं यहां पर रेल्वे स्टेशन, पुलिस चौकी, विद्युत मंडल कार्यालय, टेलीफोन आफिस, शासकीय एवं निजी चिकित्सालय, आसकीय महाविद्यालय, शासकीय व निजि स्कूल, गुड मंडी, अनाज मंडी सहित अन्य एजेन्सी संचालित हो रहे है जिसके चलते लोगों का अधिकशास कार्य बैंकों के माध्यम से ही चलता है, मगर सिहोरा क्षेत्र में मात्र एक ही बैंक शाखा होने के कारण जहां लोगों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है, वहीं वह पैसों के लेन देन में भी काफी दिक्कतों से घिरे होने के कारण क्षेत्र के लोगों द्वारा अन्य निजी बैंकों के साथ साथ शासकीय बैंकों की शाखाएं खोलने की मांग की जा रही है, जिसको लेकर सिहोरा क्षेत्र के लोगों द्वारा सामूहिक रूप से सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, यूनियन बैंक आकरेंडिया के आलवा रिजर्व बैंक को भी एक आवेदन देते हुए यहां अन्य बैंकों की शाखाएं खोलने की मांग की गई है, क्योंकि शायद ही क्षेत्र में कोई ऐसा कस्बा होगा जहां पर लोगों द्वारा संबंधित बैंकों के अधिकारियों को सामूहिक रूप से आवेदन देते हुए बैंक शाखाएं खोलने की जागरूकता दिखाई गई है। वहीं दूसरी ओर लोगों द्वारा जिला कलेक्टर से भी मांग की गई है कि वह सिहोरा में अन्य बैंकों की शाखा खोलवाने हेतु प्रयास करें जिससे लोगों को बैंकों के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

बारिश के दिनों में शहर में खाली पड़े प्लाटों से बन रही दुर्घटनाओं की संभावना ?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के वाड़ों व कालोनियों तथा अन्य जगहों पर संपन्न माने जाने वाले लोगों ने प्लाट खरीद तो लिए है किन्तु इन प्लाटों का बंधो से उनके द्वारा मकान नहीं बनवाये जा रहे है और ये प्लाट वर्तमान में बिना धनीधोरी के दिखायी पड़ने लगे है। जानकारी के अनुसार नगर में सालों से उपेक्षित खाली पड़े प्लाटों में हर साल बारिश के दिनों में पानी भरने तथा गंदगी व्याप्त होने के साथ साथ आवरा जानवरों के जमावड़े से ये प्लाट कई जगह बड़े गड्ढों में तब्दील हो गए है तथा इनमें मछर पनपने से इनके आसपास रहने वाले लोगों को घातक बीमारियों की चपेट में आने का डर सताने लगा है। बताया जाता है कि नगर के कुछ संपन्न लोगों ने मकान बनाने के प्रयोजन के चलते नजूल भूमि के कुछ प्लाट हथियाकर अपने कब्जे में ले रखा है पर अभी तक उनका उपयोग न होने से ऐसे प्लाट समस्याओं का सबब बने हुए है। शहर के वाड़ों, कालोनियों के निवासियों का कहना है कि मूसलाधार बारिश होने के दौरान खाली प्लाट पाने से सरोबार हो जाते है जिसके चलते इनमें अनेक तरह के जीवजुंघ पनपने लगते है, बारिश के मौसम में भय लगा रहा है कि इन गंदगी, पानी से भर प्लाटों के पास सुबह, शाम खेलने वाले बच्चों के साथ कोई अप्रिय घटना घटित न हो जाये? शहर में मांग उठ रही है कि नपा प्रशासन जहां तहां खाली पड़े प्लाटों के मालिकों को अपने प्लाटों की जनहित में घेराबंदी कराने और उन्हे गंदगी मुक्त बनाने के लिए दबाव डालने को राहत वही कर शहरवासियों को कार्य प्रदान करें।

फुटपाथ पर सज रही दुकानों से प्रभावित हो रही यातायात व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि स्थानीय झंडा चौक से लेकर सखी मंडी तक एवं झंडा चौके से लेकर पुरानी पुलिस चौकी तक सड़कों के किनारे बने फुटपाथ पर दुकानें सजना आम होता जा रहा है। इन मार्गों में सड़क के किनारे का भाग सज रही दुकानों के चलते अतिक्रमण की चपेट में आ रहा है। झ़ातव्य हो कि वैवाहिक कार्यक्रमों के चलते दुकानदारों ने गाहकों को लुत्ताने की होड़ सी लगी हुई है, जिस कारण वे अपनी दुकानों को बाहर की ओर लगाना पसंद कर रहे है। दुकानदारों की बिक्की की जाने वाली फुल फाटी फुटपाथ पर सजने लगी है।

क्षेत्र की पंचायतों द्वारा गांवों में लाखों की राशि से बनाये गये तालाब सहित अमृत सरोवरों की गुणवत्ता पर खड़े हो रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा पंचायतों के विकास को लेकर सरकार द्वारा जिस तरह अनेक मदों के माध्यम से राशि खर्च की जा रही है उसके चलते निश्चित तौर अब तक पंचायतों की सूरत बदल जा चुकी होती..? क्योंकि हर साल देखा जाता है कि पंचायतों में शासन द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों के नाम पर लाखों रूपया की राशि प्रदान की जा रही है। इस बात की सच्चाई तीन साल पहले यानि की बीते हुये पंचायती कार्यकाल से लेकर वर्तमान पंचायती राज के तीन शाल के कार्यकाल के दौरान देखी जा सकती है। मगर सवाल यह पैदा हो रहा है कि वह शासकीय राशि को पंचायतों द्वारा किस तरह से कार्य किया जा रहा है। इस सच्चाई को देखने लिये शायद जिम्मेदार अधिकारियों को कोई लेना देना ही नहीं है..? इस तरह पंचायती राज में विकास कार्य अधिकारियों की मिली भगत के चलते सिर्फ कागजों पर ही होते हुये देखे जा रहे है..? यह सच्चाई सिर्फ किसी एक पंचायत नही बल्कि अनेक पंचायतों में देखने मिल सकती है..। मुख्य रूप से गाडरवारा तहसील क्षेत्र अंतर्गत आने पंचायतों में बनाये गये तालाब व अमृत सरोबर डेमों के निर्माण कार्यों की सच्चाई को देखकर लोग आश्चर्य में पड़ने से नही चूक पा रहे है..। जहां एक किसान मात्र दस बीस हजार रूपया की लागत लगाते हुये अपने खेत में बंधिया बनाता है वह जरा सी बारिश के दौरान तालाब का रूप धारण कर लेती है। मगर पंचायतों द्वारा लाखों रूपया की लागत से बनाये गये तालाब व अमृत सरोबरों में सूखे दिनों की बात तो दूर बारिश के दिनों में तक पानी दिखाई नहीं दे पा रहा है..? तालाब व अमृत सरोबर के नाम पर शासकीय राशि खर्ज करते हुये फ़ये जाने वाले इन विकास कार्यों का हाल इस तरह देखने म्ल रहा है कि गाँवों के पुराने नालों व ऊबड़ खाबड़ जगहों में पड़त पड़ी हुई भूमि को चारों ओर से मिट्टी डालने की औपचारिकता पूर्ण करते हुये तालाब व डेमों का नाम देते हुये अधिकारियों की मिली भगत से लाखों रूपया निकालने में कोई कसर नही छोड़ी गई है या फिर वर्तमान समय में भी नही छोड़ी जा रही है..? शासकीय धन को खर्च करते हुये बनाये गये इन निर्माण कार्यों भी पील मौके पर हुये निर्माण कार्य से लेकर उनमें कार्य करने वाले मजबुरी की सूची अपने आप ही उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है..? क्योंकि पंचायत के कागजों में इस तरह मजदूर मजदूरी करते हुये इस तरह की मजदूर महिलाये देखने मिलसकती है



जो आज तक चार दिवारी के बाहर नही निकली होगी और उनके द्वारा तालाब निर्माण कार्यों में मजबूरी करते हुये उनके फ़लों का भुगतान होते हुये देखने मिलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? क्षेत्र में देखा जावे तो पंचायती राज के बीते हुये कार्यकाल से लेकर इस कार्यकाल के तीन सालों के अंदर अनेक पंचायतों में सरकार की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना के तहत पंचायतों में बड़े स्तर पर लाखों रूपया खर्च करते हुये तालाब व डेम बनाने का कार्य किया किया गया है। वह निश्चित ही गुणवत्ता को लेकर सबालों के घेरे में आने से नही चूक रहे है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पंचायतों के साथ साथ लेकर ब्लाक जिला स्तर पर बैठे हुये जिम्मेदार अधिकारियों के फ़लये तो अमृत सरोबर दुधारू गाय साबित होने से नही चूक रही है। क्योंकि अनेक जगहों पर तो हाल इस तरह बना हुआ है कि पुराने नालों को बांधकर अमृत सरोबर का नाम देते हुये लाखों रूपया निकालने जा रहे है..? यदि पूर्व में बनाये गये तालाब व डेमों से लेकर वर्तमान के अमृत सरोबरों की निष्ठा के साथ जांच होती है तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...? मगर सवाल यह पैदा हो रहा है कि इनकी जांच करेगा कौन..? क्योंकि यह शासीकय राशि में इस तरह गफलबाजी की रेली गाड़ी में सभी की सोझआई के चलते गति पकड़े हुये देखी जा रही है..? इस योजना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के साधन उपलब्ध कराने की सोच को ध्यान में रखते हुये गांवों में पड़त पड़ी हुई शासकीय भूमि पर तालाब व डेम निर्माण



कराने की शुरु आत की गई थी। तालाबों का निर्माण उस जगह होना था जहां पर बारिश का पानी आसानी से पहुंचते हुये उसमें रूक सके। वहीं डेमों को लेकर बताया जाता है कि इस प्रकार के नाले जिनमें बारह मास पानी रहता हो और डेम बनाते हुये उस पानी को रोका जावे जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के किसान अपनी सिंचाई करते हुये कृषि को लाभ का धंधा बना सके। मगर देखने मिल रहा है कि इस योजना के तहत जहां तहां बनाये गये तालाब व डेमों में शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च तो की जा चुकी है। मगर वहां पर आज भी भूमि पूर्व की तरह समतल ही नजर आने से नही चूक रही है जबकि कागजों में तालाबों से लेकर अमृत सरोबरों का निर्माण कार्य पूर्ण होते हुये उनका भुगतान तक हो चुका है..? इस तरह सही मायने में देखा जावे तो शासन की अनेक ग्रामीण योजनाये मात्र कागजों पर संचालित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। यदि किसी निष्ठावान अधिकारी द्वारा पंचायतों में हुये इन कार्यों की जांच हो जाती है तो िश्चित अनेक पंचायतों के सरपंचो से लेकर अधिकारी बेनकाब होने से नही बच पायेगे...? इस प्रकार से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना के नाम पर हुई गफलत बाजी को लेकर ग्रामीणजनों द्वारा जांच की मांग उठाई जा रही है। जिसको लेकर ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना में खर्च की जा रही राशि व निर्माण कार्यों की जांच की जाती है तो निश्चित तौर से बड़े स्तर की गफलत बाजी उजागर होने से नही चूक पायेगी तथा इस योजना के नास पर मलाख खाने वाले शासकीय अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों के चेहरे भी उजागर हो सकते है।

नगर में कल व परसों होगा जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन



हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्कूल शिक्षा विभाग के वार्षिक खेल कैलेण्डर सत्र 2026-27 के अनुसार जिला स्तरीय शालेय फ़ील्ड आर्चरी, आर्चरी एवं थ्रो-बॉल प्रतियोगिता (बालक/बालिका आयु वर्ग 14 व 17 तथा 19 वर्ष) का आयोजन कल 1 सितम्बर से 2 सितम्बर तक शहर के पी.एम.श्री शास. कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया जा रहा है। इसके अलावा जिला स्तरीय रोलेर स्केटिंग बालक/बालिका (11, 14 व 17 तथा 19 वर्ष) आयु वर्ग की प्रतियोगिता का आयोजन 2 सितम्बर से 3 सितम्बर तक नगर के अशासकीय स्कूल में किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिताओं में जिले के विकास खंडो से स्कूली खिलाडी सहभागिता करेंगे।

कम्प्यूटीकृत बैंकों में हो रहा कछुआ गति से काम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कम्प्यूटर युग के बावजूद भी बैंकों मे राशि जमा करने व निकालने के लिये अगर एक दो घण्टे का समय लॉगे, लंबी लंबी कतारों खत्म न हो तो हमे 21 वीं सदी मे आधुनिकता की चांदर ओढ़ने का गर्व नही करना चाहिए। नगर मे स्थित राष्टीयकृत बैंकों मे जिन ग्राहकों को पैसा जमा करने, ड्राफ्ट बनवाने, शासकीय राशि जमा करने पहुंचते है तो उन्हे लंबी लाइन मे खड़े होकर अपना नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है। बैंकों मे नोट गिनने की मशीन होने के बावजूद भी अन्य लिखा पढ़ी मे काफी विलंब होता है, जिससे ग्राहकों मे बैंकों की कार्यप्रणाली से परेशानी बढी है, नगर सहित क्षेत्र के आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित राष्टीयकृत बैंक मे शासकीय राशि, चालान आदि पट्टने में लोगों को भारी मशक्कत करनी पड़ती है, एक काम के लिये ही यहां पूरा दिन बर्बाद हो जाता है, जिससे लोगों के काम धाम पिछड़ते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नहीं इस बैंक में कार्यरत कर्मियों के परिचरों के कार्य पहले निपटानें का भी चलन तेजी लिये हुए है। संबंधित बैंक अधिकारियों को चाहिए कि उपभोक्ताओं के काम आसानी से और कम समय पर निपटे ऐसी व्यवस्था बैंक मे बनाये, किंतु अधिकारी है कि कुर्सी पर चिपके रहते हुए देखा जाता है, उन्हे बैंकों मे काम किस गति से हो रहा है व उपभोक्ताओं की क्या परेशानी हो रही है, शायद इससे किसी को कोई सरोकार नही है? मगर देखा जाता है कि यहां प्रमुख बैंकों में वषों से पदस्थ कुछ कमी अपनी डियूटी के समय चायपान की दुकानों के साथ साथ लोह लता का स्वाद लेते हुए ज़्यादा नजर आते है? इस प्रकार से बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों की मनमानी से परेशान उपभोक्ता जब बैंक प्रमुख से विलंब होने की बात कहते है तो वे उन्हे बैंक में फ़साद करने का उल्टा उलहाना देने से नही चूकते है? इस प्रकार से बैंकों में उपभोक्ताओं को राशि निकालने व जमा करने के लिये पर्याप्त छिड़की है किंतु स्ट्याफ की कमी के कारण गिनी चुनी छिड़कियों मे ही काम होता है, जहां पर लंबी लंबी कतारें लगी रहती है, शासकीय चालान जमा करने वालो को भी घंटों लंबी कतारों मे खड़ा होना पड़ रहा है, एक बैंक मे तो आवे दिन पासवर्ड के कारण कम्प्यूटर चालू नही हो पाता जिसके ग्राहक ढेर तक भुगतान पाने खड़े रहते है, बैंकों का कम्प्यूटरीकृत होने के ढोल तो पीटे जाते है किंतु बैंकों मे काम काज धीमी गति से हो रहा है लोगों की परेशानी का कारण बन रहा है, यदि ग्राहक विलंब के लिए कुछ कहते है तो बैंक कर्मी व अधिकारी आपे से बाहर हो जाते है।



हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय चल रहा बरसात का मौसम जहां अनेक बीमारियों को जन्म देने वाला माना जाता है। क्योंकि इस मौसम के कभी तेज धूप तो कभी बारिश के चलते ठंड वैसे भी स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालने से नही चूकता है। इस मौसम के चलते आम जोग परेशान होने के साथ साथ अनेक प्रकार की बीमारियों से ग्रस्ति तो हो ही रही है साथ ही साथ देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जहां आमार पशु धमाचौकड़ी मचाने के चलते डर इस बात का लग रहा है कि कही स्वायन प्लू अपना उग्र रूप दिखाना शुरू न कर देगे...? क्योंकि नगर की गलियों से लेकर कुलियों में आबरा सुअर भी गंदगी फैलाते हुए देखे जा रहे है इस संबंध में नगर के लोगों का कहना है कि सुबह के वक्त नपा के कर्मचारियों द्वारा झाड़ू लगाने के बाद सड़कों को सुन्दर कर दिया जाता है। मगर इसके बाद जब साफ जगह से सुअरों का झुंड निकलता है तो पूरा क्षेत्र गंदा कर दिया जाता है, इतना ही नहीं इन सुअरों की मटर गस्ती के चलते नगर के वाड़ों में भी पूर्ण रूप से प्रदूषण फैल रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के भामा वार्ड के अंतर्गत अनेक जगहों पर सुअरों के झुंड भ्रमण करते हुए आसानी से देखने मिल सकते है, जिसमें कुछ स्थान तो इस प्रकार से भी है जहां पर दिन दिन भर सुअर अपना डेरा जमाकर विोजमान रहते है जिसके चलते लोगों के घरों के सामने रखा हुआ समान को भी यह सुअर क्षति पहुंचाने से नही चूकते है। इस प्रकार से आने वाली बारिश के दिनों में नगर में घूमने वाले इन सुअरों के चलते जहां भंयकर बीमारी फैलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर सड़को पर सुअरों के अचानक

आवारा सुअरों के भ्रमण से फैल सकती है नगर में बीमारी



गुजरने की स्थिति में आयें दिन सड़क दुघर्टनाएं भी घटित हो जाती है। इस प्रकार से जहां तहां धूम रहे पालतू सुअरों को लेकर लोगों द्वारा नपा से मांग की गई कि वह इस संबंध में उचित कदम उठाने की पहल करते हुए लोगों को सुअरों के अंतक से मुक्ति दिलाई जावे।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर कल 1 से 14 सितंबर तक होगा साक्षरता पखवाड़े का आयोजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश के समस्त असाक्षरों को शत प्रतिशत बुनियादी साक्षरता प्रदान करने के उद्देश्य से उल्लास- नव भारत साक्षरता कार्यक्रम” जन-जन साक्षर की भावना से वर्ष 2022 से संचालित किया जा रहा है। बताया जाता है कि 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी अनुक्रम में भारत सरकार के संदर्भित पत्र अनुसार कल 1 सितम्बर से 14 सितम्बर तक साक्षरता पखवाड़ा मनाते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किये जाने के निर्देश दिये गये है। साक्षरता पखवाड़े के अंतर्गत वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर असाक्षर व्यक्तियों का डोर टू डोर चिन्हंकन कार्य शत प्रतिशत करना व ऑनलाइन पंजीयन करना तब स्वयंसेवी अक्षर साथियों को प्रेरित करते हुए पंजीयन कराने के आलवा



साक्षरता कक्षाओं का सतत संचालन व सामाजिक चेतना केन्द्रों का निरीक्षण करने के आलवा कार्यशाला, बैठक व समस्त शासकीय/अशासकीय विभागों, शैक्षणिक संस्थाओं के साथ भी कार्यशाला / बैठक करना, छात्र/छात्राओं के सहयोग से साक्षरता रैलियों, साइकिल रैलियों, प्रभात पेरी, नुक्कड़ नाटक कार्यक्रमों का आयोजन, साक्षरता नारे लेखन, चौपालों का आयोजन, जागरूकता कैम्प, विभिन्न प्रचार-प्रसार के माध्यम से शिक्षा एवं

गाइरवारा हरिभूमि 6



दुकानदारों द्वारा अपने गाहकों को पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराने से सड़के लेकर वाहन स्टैन्ड का स्वरूप

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में देखा जावे तो जिस तरह से बड़ी बड़ी दुकानों से लेकर प्रतिष्ठान खुलते जा रहे है। वहीं प्रतिष्ठान संचालन अपनी दुकानों को नई नबेली दुर्लभ को तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ते है। मगर अपनी दुकानों पर पहुंचने वाले गाहकों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के प्रबंध नही किये जाने के चलते सड़क इस समय वाहन स्टैन्ड के रूप में दिखाई देने से नही चूक रही है। यह सच्चाई नगर के पलेोटन गंज से लेकर अन्य मार्गों पर आसानी से देखी जा सकती है। जहां नगर में आलीशान होटलों से लेकर स्थापित हो रहे प्रतिष्ठानों की शासन प्रशासन धड़ल्ले से अनुमति तो प्रदान कर रहा है। मगर इस बात की ओर ध्यान नही दे रहा है कि आक्षिकार इस होटलों व प्रतिष्ठानों में पहुंचने वाले गाहकों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के ब्या प्रबंध किये गये है। जबकि नियम के अनुसार जब कोई बड़ी दुकान हो या फिर होटल खेलने के समय उसे अपने गाहकों के लिये पार्किंग व्यवस्था बनाने की श्यम टाकीज से लेकर शिवालय चौक तक बीते हुये एक साल के अंदर अनेक बड़ी बड़ी दुकानों सहित अन्य प्रतिष्ठान स्थापित होते हुये देखे गये है। मगर यहां पर किसी तरह से वाहनों की पार्किंग व्यवस्था नही होने के चलते श्याम टाकीज मार्ग की मुख्य सड़क सुबह से ही वाहन स्टैन्ड के समान दिखाई देने से नही चूकती है। इस हाल में आम लोगों को आने जाने में परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किसी तरह से ध्यान नही दिये जाना सवाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है। इस मार्ग की दुकानों के सामने जिसकी मर्जी जैसी होती है वह अपना वाहन खड़ा करके दुकान के अंदर चला जाता है। यदि कोई व्यक्ति निकलते समय परेशान होकर वाहन मालिकों की मनमानी पर कुछ बोलता है तो उसके साथ मारपीट करने में पीछे नही हटते है। आमजन द्वारा प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की जा रही है कि यहां पर लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था में सुधार की पहल की जावे।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर कल 1 से 14 सितंबर तक होगा साक्षरता पखवाड़े का आयोजन

साक्षरता के महत्व का विस्तृत प्रचार-प्रसार आदि किये जाने की कार्य योजना है।साक्षरता पखवाड़े में शासकीय/अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों के विद्यार्थी, शासकीय शिक्षा महाविद्यालय एवं डाइट के प्रशिक्षणार्थी, समुदाय के सदस्यों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायती राज संस्थायें, शासकीय/अशासकीय स्कूलों के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण, शिक्षकों, प्राचार्य / प्रधानाध्यापक, एन.सी.सी. / एन.एस.एस., शिक्षित दीर्घियों, सामाजिक संस्थायें एवं अन्य विभागों, स्व-सहायता समूह के शिक्षित कार्यकर्ता, शासकीय / सेवानिवृत्त शासकीय सेवक, नगर निगम, नगर पालिका के कर्मचारियों आदि का सहयोग लिया जाकर प्रतिदिन की जाने वाली गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। आदेश के अनुसार तिथिवार गतिविधियों के आयोजन की साारणी राज्य शिक्षा केंद्र से जारी की गई है।

जब शिक्षण संस्थाओं में लायब्रेरी ही नही है तो फिर पुस्तकालय के नाम पर फीस किस बात की बसूली जा रही है....?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय शहर में देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से बीते हुए माह नया शिक्षण सत्र शुरू मात्र चंद दिवस की शेष बचे हुये है। मगर देखा जा रहा है कि अनेक निजी स्कूलों द्वारा अभिभावको को लुत्ताने के लिए अनेक प्रकार के पेटरा अजमाये जा रहे है। वहीं दूसरी ओर नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने लेकर छात्र छात्राओं में उत्सुकता से खुल नजर आ रहे है। वहीं दूसरी ओर शिक्षक भी अपने स्तर पर अध्यापन के लिए मानसिक तौर पर तैयार हो चुके है।मगर इस स्थिति मे अभिभावक बच्चों के लिए काफी किताबों अत्र सामग्री की व्यवस्था के साथ ही महँगी फीस के प्रबंध में चुटे हुये देखे जा रहे है अभिभावक वहाँ है कि शुरू होने जा रहे नए सत्र में शालाओं का महौल इकना बेहतर हो जाए कि छात्र छात्राओं को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। वहीं कतिपय अभिभावको मे बताया कि वर्तमान मे शहर के निजी व शासकीय प्रथमिक शाला मक्नों की हालत ठीक नही है। वहीं कुछ प्रथमिक शालाओं मे छोटे बच्चों को मुख्य सुविधाएं तब उपलब्ध नही है।

स्कूलों में जब शिक्षक ही नहीं होंगे तो बच्चे कैसे करेंगे पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज/साईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुये आम जनता का भला करने का वादा करने से तो नही चूक रही है। मगर जब पर्याप्त उस योजना का दारिद्र्य विमाने वाले ही नही होंगे तो योजना का लाभ कैसे मिल पायेगा? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत साईंखेड़ा क्षेत्र के तहत अनेक गावों में देखने मिल रही है, जहां पर ग्रामीणजन मूल भूत सुविधाओं से वंचित है. ? ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बाद भी ग्रामीणजन रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर है। वहीं ग्रामीणों की समस्या के समाधान के लिये ना तो अधिकारी पहल कर रहे हैं और ना ही जनप्रतिनिधि। इसी जगह से ग्रामीणों को शासकीय राशन दुकानों से खद्यान्न, केरोसीन, शक्कर, पेयजल के साथ-साथ स्वास्थ्य जैसी आम सुविधाओं के लिये भी कठिनाइयाँ का सामना करना पड़ रहा है? गावों को जोड़ने वाली सड़कें जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। लेकिन इनकी मरम्मत के लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाये जा रहे हैं, वहीं देखा जावे तो वर्तमान स्थिति में क्षेत्र के अनेक गावों में हैंडपंप बिगड़ी हालत में पड़े हैं और कुछ दूषित पानी उगलते हैं, जिसे ग्रामीणजनों को निस्तार के साथ साथ पीने के उपयोग में भी लाना पड़ता है। गाव्यांचली में पढ़ने वाले बच्चों के लिये भी शाला मक्न तो बन गये हैं मगर उनमें शिक्षकों का टोटा है, शिक्षकों की कमी होने से गरीब बच्चें अपनी आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं। वहीं शिक्षण सत्र के दौरान देखा जाता है कि क्षेत्र की अनेक शालाओं में पदस्थ शिक्षक शिक्षकयें मनमग्ने ढंग से अपने गृह नगर से समय बेसमय आना जाना करते है, जिसकी जानकारी विमागीय अधिकारियों को भी रहती है, परंतु वे जानते बूझते हुये भी इस ओर ध्यान नहीं देते है, जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बच्चों की पढ़ाई अति कम हो रही है। वहीं देखा जा रहा है कि नगर से जहां तहां खाली पड़ी शासकीय भूमि पर लोग द्वारा खुलेआम कालोनियों की निर्माण किया जा रहा है। जिससे नगर का स्वरूप बिगाड़ने का प्रयास कर रहे है, इस बेजा हो रहे अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था तो चौपट हो ही रही है साथ ही शहर में जहां तहां जाम लगने, दुर्घटनाएं होने के अदेश सदा बना रहता है। विदित हो कि शहर के प्रमुख बाजार में जहां अनेक व्यापारी आधी सड़क पर कब्जा जमा अपनी दुकानो का सामान प्रदर्शित करते है तथा झंडाचौक पर मनमर्जी से दुकानें लगाने से शम के समय सड़को से निकलना मुश्किल हो जाता है।

अतिक्रमण हटाने में नाकाम साबित हो रहा प्रशासन,मुसीबत में फँसे राहगीर व वाहन चालक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। वर्तमान में शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र पलेोटन गंज, राठी तिराहे, शासकीय शालाओं के इर्द गिर्द शुक्वार बाजार, मंदिरों, मस्जिदों के सामने पसर अतिक्रमण से जहां शहर को सौन्दर्यीकरण खतरे में पड़ गया है। वहीं शहर में चौरपा हुए अतिक्रमण से राहगीरों, वाहन चालकों को सड़को से गुजरना दूधर होता जा रहा है। गौरतलब है कि नगर में इस समय नजूल, नपा,लोक निर्माण विभाग द्वारा आगुनी बेश कीमती भूमि की परवाह न करने से अतिक्रमणकारियों के होसले बुलन्द हो गए है, जिसके चलते सड़कों के किनारों, चौराहों के नजदीक शासकीय भूमि का दुरुपयोग करते हुए अतिक्रमणकारी ठेले रख रहे है। वहीं देखा जा रहा है कि नगर में जहां तहां खाली पड़ी शासकीय भूमि पर लोग द्वारा खुलेआम कालोनियों की निर्माण किया जा रहा है। जिससे नगर का स्वरूप बिगाड़ने का प्रयास कर रहे है, इस बेजा हो रहे अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था तो चौपट हो ही रही है साथ ही शहर में जहां तहां जाम लगने, दुर्घटनाएं होने के अदेश सदा बना रहता है। विदित हो कि शहर के प्रमुख बाजार में जहां अनेक व्यापारी आधी सड़क पर कब्जा जमा अपनी दुकानो का सामान प्रदर्शित करते है तथा झंडाचौक पर मनमर्जी से दुकानें लगाने से शम के समय सड़को से निकलना मुश्किल हो जाता है।

सड़कों पर धड़ल्ले से नाबालिग किशोर दौड़ा रहे हैं वाहन अपने साथ साथ दूसरों की जान को भी डाल रहे खतरे में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या और तेज गति से वाहनों का सड़कों पर खेड़ना वैसे ही दुर्घटनाओं का आम्रभ्रम ढोते दिखाई दे रहा है? वहीं दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से नाबालिग किशोरों को दो पहिया वाहन दौड़ाते हुए देखा जाता है उससे उनकी जान को तो खतरा बन ही रहा है साथ ही साथ दूसरों की जान को भी खतरा पैदा करते हुए देखे जा रहे हैं? जिसमे प्रमुख रूप से देखा जावे तो स्कूली बच्चों का दो पहिया वाहन चालना दूसरो के लिए खतरा बना हुआ है, क्योंकि इस समय नगर में देखा जावे तो अनेक जगहों पर 12 वर्ष से लेकर 16 वर्ष की आयु वाले सैकड़ों किशोर व किशारियाँ वाहन चलाते दिख आसानी से दिखाई दे जाते है, इसे अभिभावक का बच्चों के प्रति लगाव कहे या भौमिकवाद की दौड़ में दिखावे की खिना लाईसेंस के वाहन चला रहे कम उम्र के बालक बालिका नामझड़ी में हठसे का शिकार हो सकते है साथ ही साथ इनकी नादानी से दूसरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ सकती है? आगे निकलने की होड़- स्कूली विद्यार्थी स्कूल आते जाते समय एक दूसरे से आगे निकलने के लिए रेस लगते है साथ ही बाइक की गति और सड़कों पर अनोखे करतबों का प्रदर्शन भी मीड मर हो सड़को पर रोजाना करते हुए आसानी से देखे जाते है, इनके अभिभावक भी इन खतरों से भ्रमिभाति वाकिफ है? लेकिन भौतिक संसाधनों के उपयोग और थैड़ी सी लापरवाही में जानकार भी अनजान बने हुए हैं। झांझ दलते ही सड़कों पर पर- शाम होते ही नगर की सड़कों पर कई किशोर जिनकी उम्र की बात तो दूर जिस वाहन पर बैठे हुए होते है उनको उसके बैकों तक पर नही पहुंच पाते मगर इसके बाद भी उसे नगर की सड़कों पर वाहन दौड़ाते हुए आसानी से देखा जा सकता है, इतना ही नहीं यह लोग नगर के प्रमुख मार्गों पर हार्न बजाते हुए और तेज गति से वाहन दौड़ाते हुए रोजाना देखे जा सकते है कई मौको पर तो ये किसी दुर्घटना का शिकार होते होते बच जाते है? मगर इस ओर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और नही उसके अभिभावक जिसके चलते वाहन दौड़ने वाले बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी के लिए भी खतरा पैदा होते हुए जान पड़ रहा है।



खबर संक्षेप



संगीत प्रेमियों द्वारा किया गया संगीतमयी

कार्यक्रम का आयोजन

कोतमा। नगर के संगीत प्रेमियों द्वारा शनिवार को अटल चौपाटी में सुनहरी यादें संगीतमयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाम से शुरू हुए इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर के लोकप्रिय गीतों की मधुर धुनों ने माहौल को यादगार बना दिया। स्थानीय कलाकारों ने महान पार्श्वगायकों मुकेश, मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, लता मंगेशकर और आशा भोसले के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को पुराने दौर की स्वर्णिम यादें से जोड़ दिया। आयोजन में बाहर से भी कलाकार आमंत्रित किए गए थे। कार्यक्रम में मनोज सोनी, संजय सखा, संधीप शिवदरे, शरद समुद्रे, आमीन वारसी, प्रकाश शिवहरे, बुजकिशोर, अनीश अहमद, लकी जैन, हरिओम, सोनू अमन, आरती, आफरौन, सचिन तिवारी, नीलेन्द्र तिवारी, पंकज मोटवानी सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। सुनहरी यादों के माध्यम से कलाकारों ने अपनी पसंद के गीत प्रस्तुत किए। मुकेश के दर्दभरे नगमों से लेकर रफी की सुरीली आवाज, किशोर कुमार के रोमांटिक और मस्तीभरे गीतों के साथ लता मंगेशकर व आशा भोसले के लोकप्रिय गीतों ने उपस्थित श्रोताओं का मन मोह लिया। नगर में संगीत से जुड़े रहने वाले कलाकार उमाशंकर नामदेव, शिवकुमार गुप्ता, सजन तोमर, गोविंद शीतपाल, रवि गुप्ता सहित अन्य लोगों के निधन पर श्रद्धांजलि दी गई।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर निकली 'संडे ऑन साइकिल' रैली



अनूपपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रविवार को अनूपपुर में 'संडे ऑन साइकिल साइकिल रैली' का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली, फिटनेस और ईंधन बचत का संदेश दिया गया। रैली का शुभारंभ उत्कृष्ट खेल मैदान अनूपपुर से मुख्य अतिथि पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी भगवान सिंह, अंबिकेश सोनी, शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय बरसी के प्रधानाध्यापक अजय कुमार प्रसाद सहित खेल प्रशिक्षक, पीटीआई, शिक्षक, खेलप्रेमी, वरिष्ठ नागरिक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। साइकिल रैली उत्कृष्ट खेल मैदान से प्रारंभ होकर इंदिरा चौक, पुराने तहसील कार्यालय होते हुए जिला व्यायाम के समीप पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने 'साइकिल चलाइए, डीजल-पेट्रोल बचाइए', 'साइकिल चलाइए, स्वस्थ रहिए', 'फिटनेस का डोजन-एक घंटा रोज' तथा हाँकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद अमर रहें जैसे नारों से लोगों को जागरूक किया। मुख्य अतिथि धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि साइकिल चलाना स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और ईंधन की बचत के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्रधानाध्यापक अजय कुमार प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित यह रैली मेजर ध्यानचंद की स्मृति को समर्पित है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेल और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ती है। 'फिट इंडिया, स्वस्थ इंडिया' की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम निरंतर होने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन विकासखंड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग जैतहरी, स्टेट रेफरी एवं नेशनल ट्रेजर वॉलीबॉल तथा जिला वॉलीबॉल संघ के सहसचिव दिनेश कुमार सिंह चंदेल ने किया। आयोजन में जिला खेल प्रशिक्षक एवं जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव रामचंद्र यादव, विकासखंड समन्वयक पुष्परामगढ़ खेल प्रसाद कोल, पूरन सिंह श्याम, पीटीआई हेमलता राठौर, पोषूष कुमार आर्य, धनीराम बनवासी सहित शिक्षक, खेलप्रेमी एवं प्रतिभागियों का सहयोग रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं प्रमारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जगन्नाथ बरकात, अपर कलेक्टर बलीवर रमन सहित प्रशासनिक अधिकारियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अंत में दिनेश कुमार सिंह चंदेल ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

सीएमसीएलडीपी के तहत बीएसडब्ल्यू-एमएसडब्ल्यू कक्षाओं का शुभारंभ

अमरपुर। <

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अमरपुर के तत्वावधान में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के अंतर्गत बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू कक्षाओं का शुभारंभ शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में किया गया। इस अवसर पर नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुलाब सिंह ठाकुर तथा विशिष्ट अतिथि साहबलाल पुषाम उपस्थित रहे। ब्लॉक समन्वयक अमरलाल धुर्वे एवं जिला समन्वयक धर्मेन्द्र सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को सीएमसीएलडीपी के उद्देश्यों एवं सामाजिक नेतृत्व की भूमिका के संबंध में मार्गदर्शन दिया। अतिथियों ने कहा कि सीएमसीएलडीपी के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक चेतना, जनसेवा और सामुदायिक विकास की भावना विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।



बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू जैसे पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक समस्याओं को समझने और उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति अभियान के तहत विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिकों को नशे के सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। साथ ही नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया गया। इसके अलावा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया।



अतिथियों, मेंटर्स एवं विद्यार्थियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीएमसीएलडीपी के मेंटर्स लाल सिंह ठाकुर, मनोज तंतुवाय, राधेश्याम बनवासी, तिलक सिंह सैयाम, श्रीमती नीतू मरकाम सहित विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन समाजसेवा, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक विकास के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

मैया अभियान के तहत इमलीकुटी घाट पर चला वृहद स्वच्छता अभियान



डिंडोरी।

प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाले मां नर्मदा स्वच्छता सेवा मैया अभियान के तहत रविवार को नगर के इमलीकुटी घाट पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। सुबह 7 बजे से शुरू हुए अभियान में सेवादायों ने करीब दो घंटे तक श्रमदान कर घाट की सफाई की। हाल ही में आई बाढ़ के

कारण पूरा घाट कापू मिट्टी से ढक गया था। सेवादायों ने निष्ठा और समर्पण के साथ सफाई अभियान चलाते हुए देखते ही देखते पूरे घाट को स्वच्छ कर दिया। सेवादायों की सेवा भावना से प्रभावित होकर इमलीकुटी घाट के बच्चे और युवा भी अपने घरों से निकलकर अभियान में शामिल हुए और उत्साहपूर्वक श्रमदान किया। अभियान के समापन पर घाट निवासियों ने स्वच्छता

बनाए रखने का संकल्प लिया। साथ ही घाट को साफ-सुथरा रखने और अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की शपथ ली गई। इस दौरान छोटे बच्चों ने भी उत्साह और आनंद के साथ स्वच्छता सेवा में सहभागिता की। अभियान में परी ठाकुर, अनुराग बनवासी, मंजीत बनवासी, अनुराग, अमन बर्मन सहित मैया अभियान के सेवादार डॉ. संतोष परस्टे,

शाहिद खान, आरपी कुशवाहा, जितेंद्र दीक्षित, राम विशाल, मिथलेश, मनोज चौकसे, महारन प्रताप सिंह, राकेश नामदेव, माही बरोलिया, जितेंद्र सिंह लोधी, शिवा बनवासी, मोनू बनवासी, मोहन बनवासी, राहुल बनवासी, महेश बनवासी, मोहित ठाकुरिया, हरिलाल कोल एवं विकास बनवासी ने श्रमदान कर स्वच्छता सेवा मां नर्मदा को अर्पित की।



चिकित्सक की गैर मौजूदगी में कर्मचारियों ने किया इलाज महिला की मौत के बाद आशीर्वाद अस्पताल सील

अनूपपुर। जिला मुख्यालय में जैतहरी रोड स्थित आशीर्वाद अस्पताल में चिकित्सक की अनुपस्थिति के बावजूद कर्मचारियों द्वारा मरीजों का उपचार किए जाने का मामला सामने आया है। उपचार के दौरान एक महिला की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल का निरीक्षण किया। जांच में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर अस्पताल को तत्काल प्रभाव से बंद कर सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ पुलिस बल भी मौजूद रहा। जानकारी के अनुसार छिल्या निवासी फुलमत चौधरी, पति बिकनू चौधरी की दो दिन पहले आशीर्वाद अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। आरोप है कि चिकित्सक को मौजूदगी के बिना ही अस्पताल स्टाफ ने उसे भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया। महिला की मौत के बाद मामले की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को मिली, जिसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी के नेतृत्व में टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया।

बच्चों के बीच पहुंची कलेक्टर, जूते-मोजे पहनाकर बढ़ाया हौसला

डिंडोरी।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के तहत रविवार को नक्सल प्रभावित रहे पूर्व क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौरा कन्हारी में जन विश्वास अभियान शिबिर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और विभिन्न विभागों से संबंधित 115 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ विभिन्न सेवाओं एवं हितलाभों से भी जोड़ा गया। शिविर के दौरान कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह वृहद बालक आश्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, दिनचर्या और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। बच्चों की आवश्यकताओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बच्चों के प्रति आत्मीयता दिखाते हुए स्वयं उन्हें जूते-मोजे पहनाए। उन्होंने बच्चों को नियमित पढ़ाई, अनुशासन और मेहनत के साथ



आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर के इस आत्मीय व्यवहार से आश्रम के बच्चे खासे उत्साहित नजर आए।

स्वास्थ्य शिविर में 373 लोगों की जांच-

जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 373 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, एनीमिया, सिकल सेल सहित विभिन्न रक्त जांच, खखार

जांच, एक्स-रे, एनएसटी और नेत्र परीक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। 85 लोगों की नेत्र जांच की गई, जिनमें 76 लोगों को चश्मे वितरित किए गए। पात्र हितग्राहियों को स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी की गई। अभियान के माध्यम से दूरस्थ और पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में शासन की योजनाओं एवं सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ ग्रामीणों और प्रशासन के बीच विश्वास को

मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, डिंडोरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्टे, भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेखा सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

एसईसीएल की लापरवाही से बैरिहा गांव में जलभराव

रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में ग्रामीणों का आरोप

ढोला डालकर बनाई गई पुलिया के नीचे पानी का बहाव हुआ बाधित ग्रामीणों के घरों और रास्तों में भर रहा पानी, आवागमन में भारी परेशानी

अनूपपुर। रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट क्षेत्र में ग्राम बैरिहा के ग्रामीणों ने एसईसीएल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही और ग्रामीणों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना क्षेत्र में निर्माण कार्यों के दौरान पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण बारिश का पानी गांव की ओर जमा होने लगा है। इससे ग्राम बैरिहा में जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही है और लोगों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़



रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के समीप पानी की निकासी के लिए ढोला डालकर पुलिया का निर्माण किया गया है, लेकिन पुलिया के नीचे पानी के पर्याप्त बहाव की व्यवस्था नहीं होने के कारण बरसात का पानी तेजी से निकल नहीं पा रहा है। नतीजतन पानी आसपास के क्षेत्र में फैलकर गांव की ओर पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि

समय रहते जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है।

जल निकासी बाधित होने से बढ़ी परेशानी

ग्राम बैरिहा के ग्रामीणों का कहना है कि सामान्य बारिश के दौरान भी पानी जमा होने

की समस्या सामने आ रही है। कई स्थानों पर रास्तों पर पानी भर जाने से ग्रामीणों को पैदल आने-जाने में परेशानी होती है। दोपहिया वाहन चालकों और बुजुर्गों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों को भी स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है। ग्रामीणों का आरोप है कि रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट के चलते क्षेत्र में बड़े स्तर पर निर्माण एवं खनन गतिविधियां चल रही हैं, लेकिन परियोजना से प्रभावित गांवों में मूलभूत सुविधाओं और जल निकासी जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र का विकास होना चाहिए, लेकिन यदि उसी परियोजना के कारण ग्रामीणों को जलभराव और आवागमन जैसी समस्याओं से जूझना पड़े तो यह चिंता का विषय है।



अंजुमन इस्लामिया कमेटी अनूपपुर ने किया विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, 10वीं-12वीं पास विद्यार्थियों को बांटी गई स्टेशनरी

अनूपपुर। इंद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर जिला मुख्यालय अनूपपुर स्थित अंजुमन इस्लामिया कमेटी द्वारा मध्य प्रदेश वक्तव बोर्ड मोपल के निर्देशन एवं जिला वक्तव बोर्ड अध्यक्ष इरशाद अहमद की संयोजकता में 'पढ़ो-पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 29 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर लियाकत अली ने की। कार्यक्रम में पूर्व अपर कलेक्टर रमेश सिंह, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष विवेक बियाणी एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष अनूपपुर बुजेश चतुर्देई विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मध्य प्रदेश वक्तव बोर्ड मोपल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल की महत्वपूर्ण पदो-पढ़ाओ योजना के तहत इस वर्ष का 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्टेशनरी सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने विद्यार्थियों को अपने हाथों से स्टेशनरी वितरित की। सामग्री प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान मुस्लिम सभुदाय के बच्चों द्वारा नात शरीफ, सवाल-जवाब एवं तकरीर की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं।

